हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2022

हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

कक्षा-पाँचवीं

संकेत

- हिंदी वर्णमाला एवं मात्राएँ
- संयुक्त व्यंजन
- मुहावरे
- 'र' के विविध रूप (रेफ़ और पदेन)
- शुद्ध शब्द
- विराम चिह्न
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया शब्दों व क्रिया के काल की पहचान एवं उचित प्रयोग
- पर्यायवाची एवं विलोम
- शब्द-लड़ी (अंत्याक्षरी)
- एक से पचास तक गिनती का सही क्रम एवं वर्तनी
- हिंदी महीनों के नाम एवं क्रम
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
- बिंदु (ं) एवं चंद्रबिंदु (ँ) के सही स्थान की पहचान
- शुद्ध वाक्य

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

1. स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण अन्य ध्वनियों की सहायता के बिना हो, उन्हें स्वर कहते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अयोगवाह– अं अः

2. व्यंजन

व्यंजन वे वर्ण हैं, जो स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। नीचे स्वरयुक्त व्यंजन दिए गए हैं–

क	**ख**	**ग**	**घ**	**ङ**		
च	**छ**	**ज**	**झ**	**ञ**		
ट	**ठ**	**ड**	**ढ**	**ण**	**ड़**	**ढ़**
त	**थ**	**द**	**ध**	**न**		
प	**फ**	**ब**	**भ**	**म**		
य	**र**	**ल**	**व**	**श**		
	ष	**स**	**ह**			

(क) आगत स्वर - **ऑ**

(ख) नुकता वाले आगत व्यंजन - **ज़, फ़**

(ग) संयुक्त व्यंजन–दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। जैसेः– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष - कक्ष, दक्ष

त् + र = त्र - नेत्र, छात्र

ज् + ञ = ज्ञ - यज्ञ, सर्वज्ञ

श् + र = श्र - परिश्रम, आश्रम

3. 'र' के विविध रूप

- रेफ़ (जैसेः पर्व)
- पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसेः क्रम)
- बिना पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसेः राष्ट्र)

4. र और ऋ की मात्राओं में अंतर

- क् + ऋ = कृ, कृपा, कृष्ण
- क् + र = क्र, क्रय, विक्रय

5. स्वरों की मात्राएँ

स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ स्वर की मात्राओं का मेल	उदाहरण
अ	(कोई मात्रा नहीं)	क् + अ = क	कलम, कमल
आ	(ा)	क् + आ = का	काम, काका
इ	(ि)	क् + इ = कि	किताब, किधर
ई	(ी)	क् + ई = की	कील, कीमत
उ	(ु)	क् + उ = कु	कुल, कुत्ता
ऊ	(ू)	क् + ऊ = कू	कूल, कूकना
ऋ	(ृ)	क् + ऋ = कृ	कृत, कृपा
ए	(े)	क् + ए = के	केला, केरल
ऐ	(ै)	क् + ऐ = कै	कैसा, कैलाश
ओ	(ो)	क् + ओ = को	कोट, कोमल
औ	(ौ)	क् + औ = कौ	कौन, कौआ
अं	(ं)	क् + अं = कं	कंठ, कंकड़
अः	(:)	त् + अः = तः	अतः, स्वतः
ऑ	(ॅ)	क् + ऑ = कॉ	कॉलम, कॉपी

6. संयुक्त व्यंजन

दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसेः– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष – रक्षा, शिक्षक

त् + र = त्र – पत्र, मित्र

ज् + ञ = ज्ञ – यज्ञ, ज्ञान

श् + र = श्र – परिश्रम, आश्रम

7. शब्द-लड़ी (अंत्याक्षरी)

कलम-मकान-नमक-कमल-लकड़ी

समोसा-सांभर-रायता-तरबूज-जामुन

8. विराम-चिह्न

बात करते समय हमें बीच-बीच में रुकना पड़ता है-कभी थोड़ा, कभी अधिक। इसी भाँति लिखते समय भी हमें कुछ जगहों पर ठहरना पड़ता है। इस ठहराव को **विराम** कहते हैं।

विराम की ओर संकेत करने वाले चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं।

पूर्ण-विराम (।)

वाक्य पूरा होने पर यह चिह्न लगाया जाता है। जैसेः-

वर्षा हो रही है। आज होली है।

अल्प-विराम (,)

जहाँ वाक्य के मध्य ठोड़ा रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम लगाया जाता है। जैसेः-हाँ, हम कल चलेंगे।

मैंने केले, संतरे और अमरूद खाए।

प्रश्नवाचक चिह्न (?)

प्रश्न पूछने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसेः-

आप क्या खाएँगे?

तुम्हारा नाम क्या है?

विस्मयादिवाचक चिह्न (!)

भय, शोक, क्रोध, हैरानी आदि मनोभाव प्रकट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसेः-

वाह! खाना बहुत स्वादिष्ट है। अरे! आप आ गए।

योजक चिह्न (-)

इसका प्रयोग दो शब्दों के बीच संबंध जोड़ने के लिए होता है। जैसे:- माता-पिता, दिन-रात, सुख-दुख आदि।

निर्देशक चिह्न (–)

इसका प्रयोग किसी ओर निर्देश देने के लिए होता है। जैसे:- अध्यापक ने कहा – "इधर आओ।"

उद्धरण-चिह्न (''........'')

किसी के कथन को ज्यों-का-त्यों दिखाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- गाँधी जी ने कहा-''सत्य के लिए संघर्ष करो।''

लाघव चिह्न (॰)

किसी शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- डॉ॰ - डॉक्टर क्र॰ म॰ -क्रम संख्या

9. शुद्ध-वर्तनी

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
नोकरी	नौकरी	यानि	यानी
रुखा	रूखा	चिन्ह	चिह्न
अवश्यकता	आवश्यकता	आर्शिवाद	आशीर्वाद
वधु	वधू	पितांबर	पीतांबर
वेषभूषा	वेशभूषा	इमानदारी	ईमानदारी
उनंचास	उनचास	बिमार	बीमार
स्थाई	स्थायी	साधू	साधु

10. संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। जैसे- शिवानी, ताजमहल, घबराहट आदि।

संज्ञा के तीन भेद हैं:-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- भारत, दिल्ली, महात्मा गाँधी, कल्पना चावला, रामायण, गीता आदि।
2. जातिवाचक संज्ञा- मोटर साइकिल, कार, पहाड़, तालाब, गाँव, लड़का, लड़की, घोड़ा, शेर।
3. भाववाचक संज्ञा- मिठास, खटास, हरियाली, सुख, बुढ़ापा।

11. सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते है। जैसे– मैं, वह, आप, यह, वे, ये, हम, तुम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

सर्वनाम के छह भेद हैं–

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम
(2) निश्चयवाचक सर्वनाम
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(4) संबंधवाचक सर्वनाम
(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(6) निजवाचक सर्वनाम

12. विशेषण

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं वे 'विशेषण' कहलाते हैं। जैसे- सुंदर, मोटा, गोल, चार, कुछ भारी।

जिस शब्द की विशेषता बताई जाए वह 'विशेष्य' कहलाता है जैसे:– 'मोटी पुस्तक' इसमें मोटी 'विशेषण' है और पुस्तक 'विशेष्य'।

विशेषण के चार भेद हैं–

1. गुणवाचक विशेषण – छायादार पेड़, मोटा हाथी, वीर सैनिक, लाल कमीज़
2. संख्यावाचक विशेषण – कुछ आम, तीन पुस्तकें, अनेक पक्षी, दो नोट
3. परिमाणवाचक विशेषण – जग में दो किलो दूध रखा है, तीन मीटर कपड़ा दे दीजिए, कुछ चावल दे दीजिए, थोड़ा पानी पिला दीजिए।

4. सार्वनामिक विशेषण – ये फूल पूजा के लिए हैं, वह कुत्ता मोहित का है, ये फूल में सुंदर लगते हैं, यह लड़की खिलौने से खेल रही है।

13. क्रिया

काम के करने अथवा होने का बोध कराने वाले शब्दों (पदों) को 'क्रिया' कहते हैं। जैसेः– सोना, खाना, पीना, सोचना, चलना, हँसना, रोना, देखना, सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, गाना, गुर्राना आदि।

कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैंः–

अकर्मक क्रिया– वह रो रहा है। सकर्मक क्रिया– वह खाना खा रहा है।

14. काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने अथवा करने के समय का बोध हो, उसे **काल** कहते हैं।

काल के तीन भेद हैं–

भूतकाल– क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं। जैसेः– राम ने रावण को मारा।

वर्तमानकाल– क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम इस समय चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। जैसेः– मोहन नाच रहा है।

भविष्यत् काल– क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में उस क्रिया के किए जाने का या होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसेः– हमारा विद्यालय कल बंद रहेगा।

15. पर्यायवाची

किसी का शब्द समान अर्थ देने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसेः–

शब्द	पर्यायवाची
चंद्रमा	शशि, राकेश, मयंक

धरती	भूमि, भू, धरा
अग्नि	अनल, पावक, आग
पानी	नीर, वारि, जल
आकाश	गगन, अंबर, नभ
घर	गृह, सदन, भवन
पुत्र	बेटा, लड़का, सुत
मित्र	दोस्त, सखा, सहचर
स्त्री	नारी, औरत, महिला
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
दिन	दिवा, दिवस, वार
माँ	अम्मा, माता, जननी
समुद्र	सिंधु, सागर, जलधि
भौंरा	भ्रमर, भृंग, मधुकर
जंगल	वन, कानन, अरण्य
वृक्ष	तरु, पादप, विटप
नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी
तालाब	सरोवर, सर, ताल
कपड़ा	वस्त्र, वसन, ताल
बादल	मेघ, जलद, घन

16. विलोम

जो शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम या विपरीत शब्द कहते हैं। जैसे:-

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
रात	दिन	कायर	वीर
धरती	आकाश	अपना	पराया
सच	झूठ	दूर	पास

अमीर	गरीब	शाकाहारी	मांसाहारी
दुख	सुख	शांत	अशांत
आदि	अंत	अंदर	बाहर
चतुर	मूर्ख	सरल	कठिन
ठंडा	गरम	देव	दानव
ईमानदार	बेईमान	दुर्बल	सबल
ऊपर	नीचे	प्राचीन	नवीन

17. हिंदी में महीनों के नाम

1. चैत्र (चैत)
2. वैशाख (बैसाख)
3. ज्येष्ठ (जेठ)
4. आषाढ़ (असाढ़)
5. श्रावण (सावन)
6. भाद्रपद (भादो)
7. आश्विन (क्वार)
8. कार्तिक (कातिक)
9. मार्गशीर्ष (अगहन)
10. पौष (पूस)
11. माघ (महा)
12. फाल्गुन (फागुन)

18. हिंदी में एक से पचास तक गिनती

1 एक	11 ग्यारह	21 इक्कीस	31 इकत्तीस	41 इकतालीस
2 दो	12 बारह	22 बाईस	32 बत्तीस	42 बयालीस
3 तीन	13 तेरह	23 तेईस	33 तैंतीस	43 तैंतालीस
4 चार	14 चौदह	24 चौबीस	34 चौंतीस	44 चवालीस
5 पाँच	15 पंद्रह	25 पच्चीस	35 पैंतीस	45 पैंतालीस
6 छह	16 सोलह	26 छब्बीस	36 छत्तीस	46 छियालीस
7 सात	17 सत्रह	27 सत्ताईस	37 सैंतीस	47 सैंतालीस
8 आठ	18 अठारह	28 अट्ठाईस	38 अड़तीस	48 अड़तालीस
9 नौ	19 उन्नीस	29 उनतीस	39 उनतालीस	49 उनचास
10 दस	20 बीस	30 तीस	40 चालीस	50 पचास

19. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्द (वाक्यांश)		एक शब्द
जो ईश्वर को मानता हो	–	आस्तिक
जो ईश्वर का न मानता हो	–	नास्तिक
जो पढ़ा लिखा न हो	–	निरक्षर
जिसका अंत न हो	–	अनंत
जिसका नष्ट होना तय हो	–	नश्वर
हमेशा रहने वाला	–	शाश्वत
मीठा बोलने वाला	–	मृदुभाषी
दूसरों पर उपकार करने वाला	–	परोपकारी
जो अपने देश का हो	–	स्वदेशी
जिसकी तुलना न हो	–	अतुलनीय
जो बिना वेतन के काम करता हो	–	अवैतनिक
जिसके माता–पिता न हो	–	अनाथ
जो जल में रहता हो	–	जलचर
जो बीमार का इलाज करता हो	–	चिकित्सक
जहाँ पहुँचना कठिन हो	–	दुर्गम

20. बिंदु (ं) एवं चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द

(ं) बिंदु

गंगा	चंचल	झंडा	गंदा
कंपन	पंक्ति	जिंदा	पतंग
बंद	बंधन	अंदाजा	रंगीन
कंपन	अतरंग	अंकित	चंचल
बंदर	ठंडी	आशंका	अंतिम
नंद	कंठ	शंख	पसंद

(ँ) चंद्रबिंदु

आँख	माँ	गाँव	हँस
मुँह	कुआँ	चाँद	काँच
भाँति	बाँट	अँधेर	फूँकना
पहुँच	ऊँचाई	पाँच	साँस
टाँग	बाँधकर	धुआँ	काँप
मँहगाई	अँगूठा	आँगन	साँप

21. मुहावरे

क्रम	मुहावरा	अर्थ
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित होना
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग-रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम होना
11.	अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना
12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ-दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	टाँग अड़ाना	बाधा डालना
15.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2022

कक्षा-पाँचवीं

अधिकतम अंक-100 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नाम: ....

पिता/संरक्षक का नाम: ....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षर: ....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पच्चीस प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।

नमूना प्रश्न-पत्र

1. 'ई' स्वर के बाद कौन-सा स्वर आता है?

   क) उ ख) ए

   ग) ओ घ) ऐ

2. 'क' वर्ग का दूसरा वर्ण क्या है?

   क) ड ख) ग

   ग) ख घ) कोई नहीं

3. 'आ' और 'ई' क्या हैं?

   क) स्वर ख) व्यंजन

   ग) स्वर और व्यंजन घ) अन्य कोई

4. 'प्रश्नवाचक' का चिह्न है–

क) ?　　　　　ख) :

ग) !　　　　　घ) ।

5. आगत ध्वनि वाला शब्द कौन-सा है?

क) कॉपी　　　　　ख) टॉफी

ग) चॉकलेट　　　　　घ) तीनों

6. 'अः' क्या है?

क) अनुस्वार　　　　　ख) स्वर

ग) व्यंजन　　　　　घ) विसर्ग

7. 'महक नाच रही है।' वाक्य में कौन-सा 'संज्ञा' शब्द है?

क) नाच　　　　　ख) रही है

ग) है　　　　　घ) महक

8. 'भारत की राजधानी नई दिल्ली है।' 'राजधानी' शब्द कौन-सी संज्ञा है?

क) भाववाचक　　　　　ख) गुणवाचक

ग) व्यक्तिवाचक　　　　　घ) जातिवाचक

9. बिंदु (ं) का उच्चारण किसके द्वारा होता है–

क) मुँह　　　　　ख) नाक

ग) दोनों　　　　　घ) अन्य

10. 'मैंने यह कविता स्वयं लिखी है।' रेखांकित शब्द में कौन-सा सर्वनाम है?

क) पुरुषवाचक　　　　　ख) प्रश्नवाचक

ग) निजवाचक　　　　　घ) संबंधवाचक

11. 'उसने लाल कमीज़ पहनी है।' वाक्य में 'विशेषण' शब्द कौन-सा है?

क) कमीज़ ख) उसने

ग) लाल घ) है

12. जब क्रिया पहले हो चुकी होती है, तब उस क्रिया का काल क्या होगा-

क) भविष्यत् काल ख) सामान्यकाल

ग) भूतकाल घ) वर्तमानकाल

13. 'शुद्ध' शब्द कौन-सा है?

क) मैंने ख) मैने

ग) मेने घ) मैनें

14. 'अशुद्ध' शब्द पर गोला लगाइए-

क) मैं ख) आनंद

ग) र्निधन घ) महत्त्व

15. सोलह से पहले आने वाली संख्या है-

क) प्रंद्रह ख) तेरह

ग) पनदरह घ) पंद्रह

16. नौकर ने मालिक के घर की कीमती चीज़ों पर <u>हाथ साफ कर</u> लिया। इस वाक्य में रेखांकित मुहावरे का अर्थ है-

क) झूठ बोलना ख) हाथ की सफाई करना

ग) चुरा लेना घ) दंड देना

17. 'कुछ बच्चे खेल रहे हैं।' वाक्य में कुछ शब्द में विशेषण हैं-

क) गुणवाचक ख) संख्यावाचक

ग) परिमाणवाचक घ) सार्वनामिक

18. 'चुस्त' का विलोम होगा–

क) सुबह ख) आलसी

ग) बीमार घ) स्वस्थ

19. 'साथ पढ़ने वाला' कहलाता है–

क) मित्र ख) सहचर

ग) सहपाठी घ) तीनों

20. 'पानी-पानी होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

क) बाढ़ आना ख) पानी भरना

ग) शर्मिंदा होना घ) अन्य कोई

21. चंद्रबिंदु वाला सही शब्द छाँटिए–

क) पाचँ ख) काचँ

ग) चाँद घ) आचँ

22. शब्द-लड़ी अंत्याक्षरी में अगला शब्द क्या होगा? कनक – कमल – काला – ?

क) लाल ख) नीला

ग) सेब घ) ताला

23. 'जो मूर्ति बनाता है' उसे क्या कहते हैं?

क) शिक्षक ख) पुजारी

ग) मूर्तिकार घ) चित्रकार

24. 'आगे कुआँ, पीछे ....।' लोकोक्ति के लिए उचित शब्द है–

क) खाई ख) पहाड़

ग) नदी घ) राह

25. 'राह देखना' मुहावरे का अर्थ है-

क) भागना　　　ख) इंतजार करना

ग) हार जाना　　　घ) हैरान

उत्तर-संकेत

1.	क	14.	ग
2.	ग	15.	घ
3.	क	16.	ग
4.	क	17.	ख
5.	घ	18.	ख
6.	घ	19.	ग
7.	घ	20.	ग
8.	घ	21.	ग
9.	ख	22.	क
10.	ग	23.	ग
11.	ग	24.	क
12.	ग	25.	ख
13.	क		

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।